23.	कपास	1.99	2.12	2.24
24.	पटसन / अन्य . . .	0.21	0.29	0.27
	कुल	2.20	2.41	2.51
25.	आलू/सेम	5.95	3.33	3.43
26.	अन्य	0.30	0.31	0.34
	कुल योग	60.58	57.31	65.83

नदी की सतह से मिट्टी की खुदाई

3346. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में प्रतिवर्ष आने वाली बाढ़ के कारण लगभग 12,000 मिलियन टन मिट्टी बह जाती है और उसका अधिकांश भाग नदियों की सतह पर जमा हो जाता है ;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि लगभग प्रतिवर्ष नदियों की सतह ऊपर उठती जाती है और उनमें पानी बहाने की क्षमता कम होती जाती है जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवर्ष बाढ़ आती है ;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रम के अधीन नदियों की सतह से मिट्टी की खुदाई के लिए कोई योजना बनाई है और उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान देश में बाढ़ प्रवण क्षेत्रों में बहने वाली नदियों से मिट्टी निकाल कर उन्हें गहरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) और (ख) बाढ़ के कारण कितनी ऊपरी मृदा बह जाती है इसका ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता। एक नदी प्रणाली एक चलायमान अस्तित्व है। पानी और गाद को पहाड़ियों से समुद्र तक पहुंचाना इसका मुख्य कार्यकलाप है। नदी के माध्यम से गाद का बहकर समुद्र तक पहुंचना एकान्तर कटाव तथा जमाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में होता है जिसके परिणामस्वरूप नदी किनारे के कटाव के कारण कुछ समय के लिए नदी का एक हिस्सा ऊंचा उठ सकता है और दूसरा नीचा हो सकता है।

(ग) चूंकि नदी संचालन एक गतिशील प्रक्रिया है इसलिए तट क्षेत्र के स्तर में नदी के विभिन्न स्थानों पर परिवर्तन हो सकते हैं। इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता है कि नदी तल हर वर्ष ऊंचे उठ रहे हैं।

(घ) और (ङ) देश में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए नदी तटक्षरण तकनीकी आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं समझा जाता ।